मुख्य परीक्षा

प्रश्न–"वेसर शैली के मंदिर नागर और द्रविड़ मंदिर स्थापत्य का संश्लेषित रूप दर्शाते हैं।" इस कथन को स्पष्ट करें। (150 शब्द)

'Temples of vesara architecture reflects the synthetic form of nagara and dravida style of temple architecture.' Explain the statement.

(150 Words)

मॉडल उत्तर

उत्तर– भूमिका

- पूर्व मध्यकाल में एकीकृत शैली के स्थान पर बहुस्थानीय स्थापत्य शैलियों का उद्भव हुआ तथा उत्तरी ,मध्य तथा पूर्वोतर भारत में नई प्रवृत्तियों के समावेशन से अनेक मंदिरों का निर्माण हुआ।

मुख्य विषय वस्तु

- वेसर शैली 10वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में मिश्रित शैली के रूप में विंध्य तथा कृष्णा नदी के मध्य विकसित हुई। कन्नड़ प्रदेश के अंतिम चालुक्य शासकों ने इस शैली का प्रयोग करके अनेक मंदिरों का निर्माण करवाया।
- वेसर शैली की विशेषता, इसमें मुख्य नियोजन तथा प्रारूप द्राविड़ होता है तथा विद्यमान अलंकरण, निरूपण तथा नवीन प्रतीकों की संरचना आदि नागर शैली से प्रभावित होता है। विमान, मंडप तथा अतिरिक्त खुले मंडप का नियोजन द्राविड़ शैली तथा विमान पर अलंकरण नागरशैली की विशेषता को दर्शाता है। ककानूर का कल्लेश्वर मंदिर, लम्कुंडी जैन मंदिर, सिद्धरामेश्वर मंदिर, होयलेश्वर मंदिर आदि इस शैली के उत्कृष्ट उदाहरण है।
- नागर शैली से प्रभावित मंदिर दीवार पर रथ का नियोजन तथा छत विहीन प्रदक्षिणापथ वेसर शैली के मंदिरों में दिखता है।

अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष दें।